दृष्टि The Vision

भूगोल (वैकल्पिक विषय)

(मॉडल टेस्ट-I)

DTVF/18(JS)–OPS–**G9**

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): सुनिल कुमार धनवन्ता

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ ✓ नहीं

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 09 / 11 सितम्बर, 2018

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2018] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2018]:

0	8	1	9	0	8	7

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिन्दी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): [signature]

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

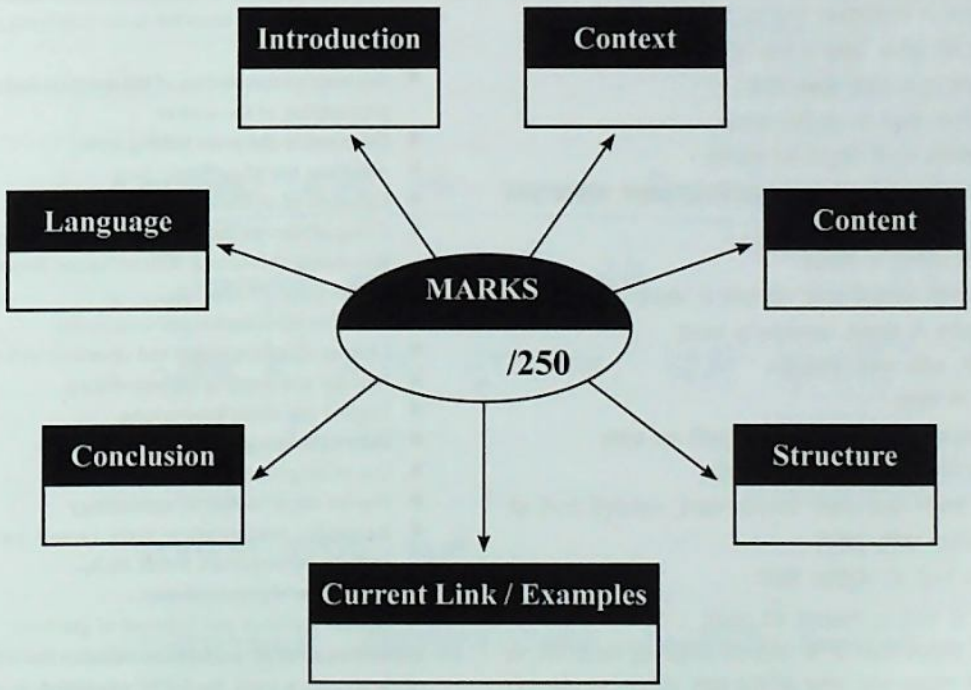

मूल्यांकनकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Evaluator (Code & Signatures)

पुनरीक्षणकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Reviewer (Code & Signatures)

A3

मूल्यांकन की पद्धति

प्रिय अभ्यर्थियों,

आपकी उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक-समूह के सदस्य निम्नलिखित निर्देशों का ध्यान रखते हैं। आप भी इन्हें ध्यान से पढ़ें ताकि आप अपने प्राप्तांकों का तार्किक कारण समझ सकें।

परीक्षकों के लिये निर्देश

1. मूल्यांकन में अंकों का वही स्तर रखा जाना चाहिये जैसा संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) के परीक्षकों द्वारा रखा जाता है।
2. सामान्य अध्ययन का जो उत्तर हर दृष्टिकोण से सटीक व उत्कृष्ट है; उसे अधिकतम 60% अंक दिये जाने चाहियें क्योंकि आयोग द्वारा किये जाने वाले मूल्यांकन में भी इससे अधिक अंक मिलना लगभग असंभव है। वैकल्पिक विषयों के उत्कृष्ट उत्तरों तथा श्रेष्ठतम निबंधों में अधिकतम 70% तक अंक दिये जा सकते हैं।
3. कृपया अंकों का वितरण निम्नलिखित तालिका के अनुसार करें-

उत्तर का स्तर (Standards of Answer)	सामान्य अध्ययन में अंक-स्तर (Marks Standard G.S.)	वैकल्पिक विषय तथा निबंध में अंक-स्तर (Marks Standard - Optional Subject and Essay)
उत्कृष्ट (Excellent)	51-60%	61-70%
बहुत अच्छा (Very Good)	41-50%	51-60%
अच्छा (Good)	31-40%	41-50%
औसत (Average)	21-30%	31-40%
कमजोर (Poor)	0-20%	0-30%

4. कृपया उत्तर में निम्नलिखित गुणों को विशेष प्रोत्साहन दें-
   - प्रश्न की सटीक समझ व उत्तर की व्यवस्थित रूपरेखा
   - संक्षिप्त, टू-द-पॉइंट लेखन शैली
   - प्रामाणिक तथ्यों का समुचित उपयोग
   - अधिकतम जरूरी बिंदुओं का समावेश
   - सरकारी दस्तावेजों (मंत्रालयों/आयोगों की रिपोर्ट्स, पॉलिसी पेपर्स आदि) के संदर्भों की चर्चा
   - प्रभावी भूमिका व निष्कर्ष
   - समकालीन घटनाओं/प्रसंगों को उत्तर से जोड़ना
   - दृष्टिकोण में संतुलन, समावेशन व गहराई
   - अच्छी, साफ-सुथरी हैंडराइटिंग
   - भाषा में प्रवाह
   - आवश्यकतानुसार डायग्राम्स, नक्शों आदि का प्रयोग
   - तकनीकी शब्दावली का सटीक उपयोग
   - सुंदर प्रस्तुति शैली (छोटे पैराग्राफ्स रखना, महत्त्वपूर्ण शब्दों को अंडरलाइन करना आदि)
   - विराम चिह्नों का समुचित प्रयोग
   - भाषा में वर्तनी व व्याकरण की शुद्धता
5. टॉपर्स के अनुभव बताते हैं कि उत्तर की विषयवस्तु अच्छी होने पर आयोग के परीक्षक शब्द-सीमा के थोड़े बहुत उल्लंघन पर अंक नहीं काटते हैं। कृपया आप भी इसी दृष्टिकोण के अनुसार अंक-निर्धारण करें।

Method of Evaluation

Dear Candidates,

While assessing your answer-scripts, the evaluators are required to follow the given instructions. You should also read them carefully to understand the logic behind the marks obtained by you in the tests.

Instructions for the Evaluators

1. The level of marks while evaluating the answers should be kept as per UPSC (Union Public Service Commission) standards as far as possible.
2. The answers of General Studies which are accurate and excellent from every perspective should be awarded a maximum of 60% marks as it is almost impossible to get more than that in actual UPSC examination. Excellent answers in optional subjects and the best written essays can be awarded a maximum of 70% marks.
3. Please assign the marks according to the following table-

4. Please devote special attention to the following qualities in an answer–
   - Accurate understanding of the question and systematic presentation of the answer
   - Crisp and to the point writing style
   - Adequate use of authentic facts
   - Inclusion of all the important points
   - Citing of relevant facts and figures from relevant official documents (Ministries /Commissions Reports, Policy Papers etc.)
   - Effective introduction and conclusion
   - Linking of current events and situations with the answer
   - Balance and depth in answer-writing
   - Legible and clean handwriting
   - Flow of language
   - Use of diagrams, maps etc
   - Precise use of technical terminology
   - Beautiful presentation style (small paragraphs, underlining important words etc.)
   - Proper use of punctuations
   - Correct spellings and right use of grammar
5. Experience of UPSC toppers also indicates that if the content of the answer is good, the UPSC examiners do not cut the marks on slight violations of the word-limit. Please award marks strictly according to the above-mentioned instructions.

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

खंड - क / SECTION - A

1. निम्नलिखित प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: $10 \times 5 = 50$

Answer the following in about 150 words each:

(a) अंतर्जात बलों के प्रभाव से पृथ्वी की सतह पर उत्पन्न होने वाली विषमताओं की संक्षिप्त चर्चा करें।

Briefly comment on anomalies over face of earth caused by endogenic forces.

पृथ्वी के आन्तरिक भागों में उत्पन्न बलों को अन्तर्जात बल कहते है। यह दो प्रकार का होता है

(क) आकास्मिक बल - ज्वालामुखी, भूकंप

(ख) पटल विरूपणी बल

(i) महादेशजनक → उपरीमुखी, अधोमुखी

(ii) पर्वतनिर्माणकारी बल → संकुचन / संपीडन, तनाव

→ आकास्मिक बलों के कारण विषमताएं

- ज्वालामुखी पर्वतों का निर्माण
- भूकंप के कारण भूस्खलन, भ्रंशों इत्यादि का निर्माण

→ महादेशजनक बल.

- उपरिमुखी संचलन के अन्तर्गत उत्थान

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

व उमज्जन की क्रिया के कारण महाद्वीपीय उभार एवं तटों का निर्माण

- अधोमुखी संचलन के कारण गड्ढों या निमज्जन तट निर्माण

→ पर्वत निर्माणकारी बल-

- संकुचन के कारण वलन, संवलन
- तनाव के कारण भ्रंश इत्यादि का निर्माण

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

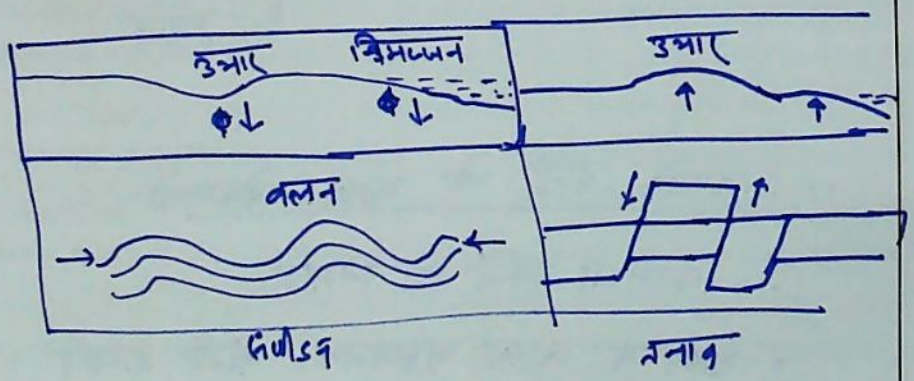

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) 'चिनूक' व 'फॉन' की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।
Highlight some salient features of 'Chinook' and 'Foehn' winds.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

चिनूक- रॉकी पर्वत पर चलने वाली स्थानीय पवन है जो पश्चिमी ढाल के ऊपर चढ़का पूर्वी ढाल पर नीचे उतरती है

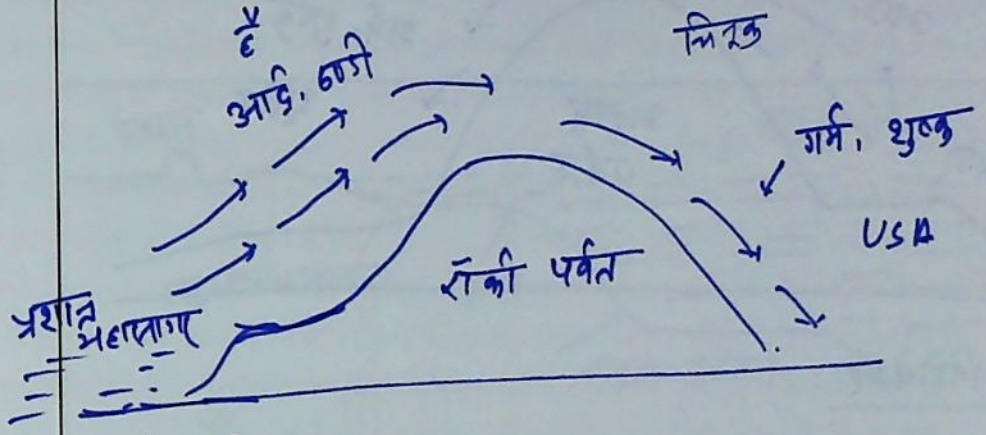

विशेषताएँ

→ पश्चिमी भाग में प्रशान्त महासागर से आर्द्रता ग्रहण करके वर्षा करती हैं क्योंकि पर्वत के अवरोध के कारण इनका बलपूर्वक उत्थान होता है

→ पर्वत से उतरने पर इनके तापमान में वृद्धि तथा आर्द्रता में कमी आती है। अतः यह वहाँ वर्षा नहीं करती। यहाँ बर्फ को पिघलाने के कारण इन्हें 'Ice eater' कहते हैं

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

फॉन · चिनूक पवनों की तरह ~~~ अल्पस पर्वतों के दक्षिणी भागों में ऊपर चढ़कर उत्तरी भागों पर उतरती है

विशेषताएं

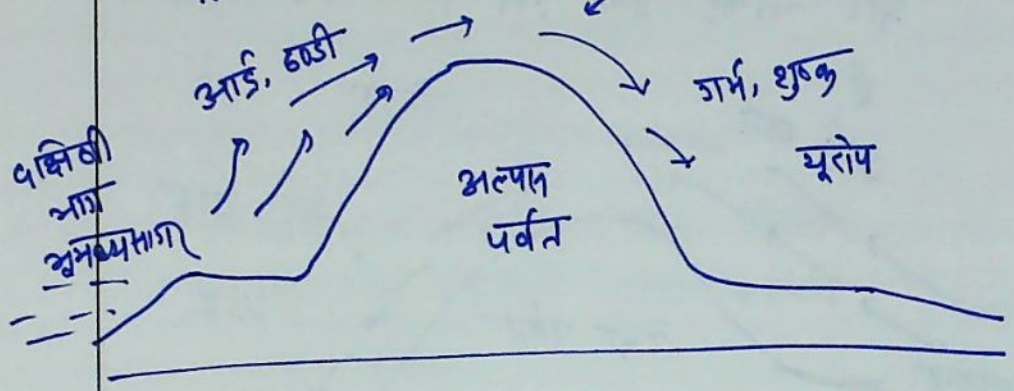

→ दक्षिणी ढ़लानों पर आर्द्रता अधिक → वर्षा

→ उत्तरी ढ़लानों पर तापमान बढ़ने व आर्द्रता कम होने के कारण वर्षा नहीं

→ ये यूरोप में कष्टकारी मौसम को जन्म देती है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) महाद्वीपीय मग्नतट को परिभाषित कीजिये तथा इसकी उत्पत्ति व महत्व पर प्रकाश डालिये।
Define continental shelf and highlight its origin and significance.

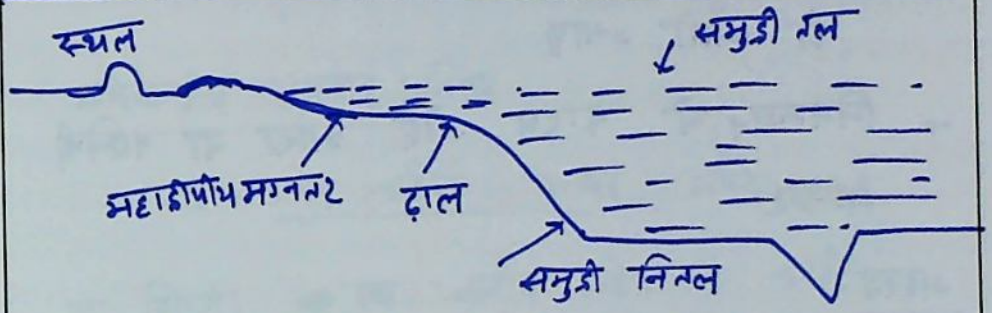

यह महाद्वीप का ही भाग होता है जो महासागर में डूबा रहता है। इसकी ढाल सामान्यतः 1° से 3° होती है तथा गहराई 200 फैदम तक पायी जाती है

चित्र- नितल के उच्चावच

उत्पत्ति- अनेक विद्वान इसकी उत्पत्ति को अनेक प्रकार से मानते हैं

(i) लहरों के अपरदन के कारण चबूतरे का निर्माण तथा उस पर अवसादों के जमाव

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

एवं उनके संगठित होने पर महाद्वीपीय तट का निर्माण हुआ

→ नदियों द्वारा लाये गए अवसादों के निरन्तर जमाव के कारण महाद्वीपीय तट का निर्माण हुआ। इसलिए नदियों के मुहाने पर महाद्वीपीय तट की चौड़ी ज्यादा।

→ निमज्जन के कारण जैसे भारत का पश्चिमी महाद्वीपीय तट

महत्त्व.

→ यहाँ पर जैव विविधता सर्वाधिक होती है → अनेक जीवीय संसाधनों की प्राप्ति जैसे मछली

→ यहाँ पर पैट्रोलियम जैसे संसाधन पाये जाते हैं- जैसे उत्तरी सागर, मुंबई हाई

→ अनेक सुन्दर बीचों (Beaches) के निर्माण के कारण पर्यटन में महत्व

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) अपवाह प्रतिरूप से क्या तात्पर्य है? अभिकेन्द्रीय अपवाह प्रतिरूप के स्वरूप को सोदाहरण स्पष्ट कीजिये।
What is the meaning of drainage pattern? explain centripetal drainage pattern with suitable example.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अपवाह तंत्र के ज्यामितीय आकार को अपवाह प्रतिरूप कहा जाता है। यह वृक्षीय (dendritic), अरीय, अभिकेन्द्रीय, आयताकार इत्यादि प्रकार का हो सकता है

अभिकेन्द्रीय अपवाह प्रतिरूप

जब अनेक नदियाँ आकर अपने जल का विसर्जन एक जलीय स्रोत में करती है तो इस प्रतिरूप का निर्माण होता है

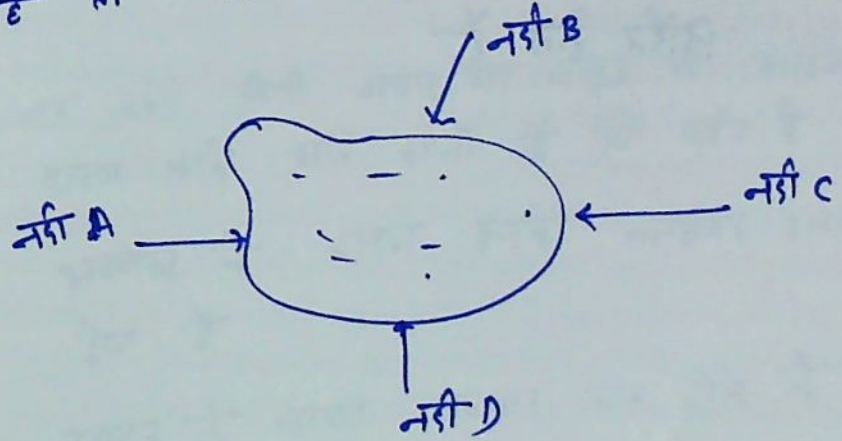

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ इसमें नदियाँ अरीय रूप में आकर गिरती हैं

→ सामान्यतः इस प्रकार का अपवाद छोटी नदियों के स्थान पर पाया जाता है

→ उदाहरण:- कश्मीर की डल झील में अनेक नदियों जैसे झेलम इत्यादि का विसर्जन

→ झील का विकास तालाब, झील के कारण निर्मित होता है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) पर्वतीय वर्षण की क्रियाविधि का सविस्तार वर्णन कीजिये।
Explain in detail the mechanism of orographic precipitation.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पर्वतों के अवरोध के कारण यह वर्षा होती है तथा इसमें हवाओं का बलपूर्वक उत्थान शामिल होता है

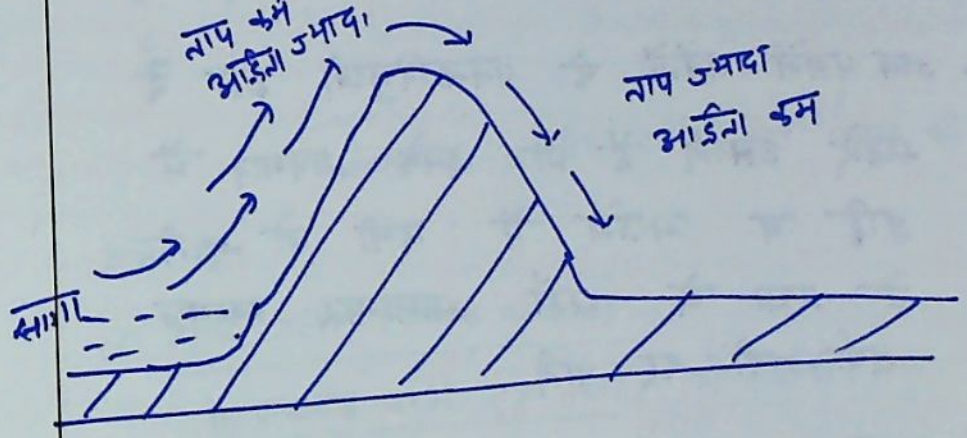

→ जब पवनें किसी सागर या समुद्र से आर्द्रता ग्रहण करके गति करती हैं तो पर्वत के अवरोध के कारण इनका बलपूर्वक उत्थान होता है

→ उत्थान के कारण तापमान कम होने के

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कारण वायु संतृप्त हो जाती है तथा पानी वर्षा मेघ बादलों के निर्माण के कारण पर्वत के इस भाग (पवनाभिमुखी ढाल) पर वर्षा होती है

→ जब पवनें पर्वतों के पवनाविमुखी ढाल के सहारे उतरती है तो इनके तापमान में वृद्धि व आर्द्रता में कमी हो जाती है तथा ये यहाँ सामान्यतः ~~अत्यन्त~~ वर्षा नहीं कर पाती

→ पश्चिमी घाट के कारण मानसूनी पवनें इसके पश्चिमी भाग में काफी वर्षा करती है जबकि पूर्वी भाग शुष्क रह जाता है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

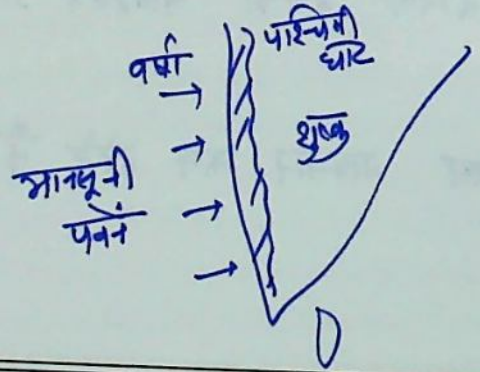

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

2. (a) पृथ्वी की आंतरिक संरचना के अध्ययन में भूकंपीय तरंगों की भूमिका को सविस्तार समझाइये। 15
Explain in detail the role of seismic waves in the study of earth's internal structure. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पृथ्वी की आन्तरिक जटिलताओं को देखते हुए इसकी आन्तरिक संरचना को प्रत्यक्ष उपकरणों के माध्यम से समझना कठिन है। इसीलिए अप्रत्यक्ष स्त्रोत के रूप में भूकंपीय तरंगों का प्रयोग किया जाता है।

सामान्यतः भूकंपीय तरंगे दो प्रकार की होती हैं-

(अ) कायिक तरंगे (body waves) -

(i) प्राथमिक तरंगे (P-तरंगें)- ये सर्वाधिक तेज गति से गमन करती हैं तथा ठोस, द्रव और गैस तीनों माध्यमों से गुजर सकती हैं

(ii) द्वितीयक तरंगे (S-waves) - ये P wave की अपेक्षा कम गति से गमन करती हैं तथा केवल ठोस माध्यम से गुजर सकती हैं

(ब) धरातलीय तरंगें- ये पृथ्वी की सतह के निकट गमन करती हैं। ये सर्वाधिक विनाशकारी होती हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

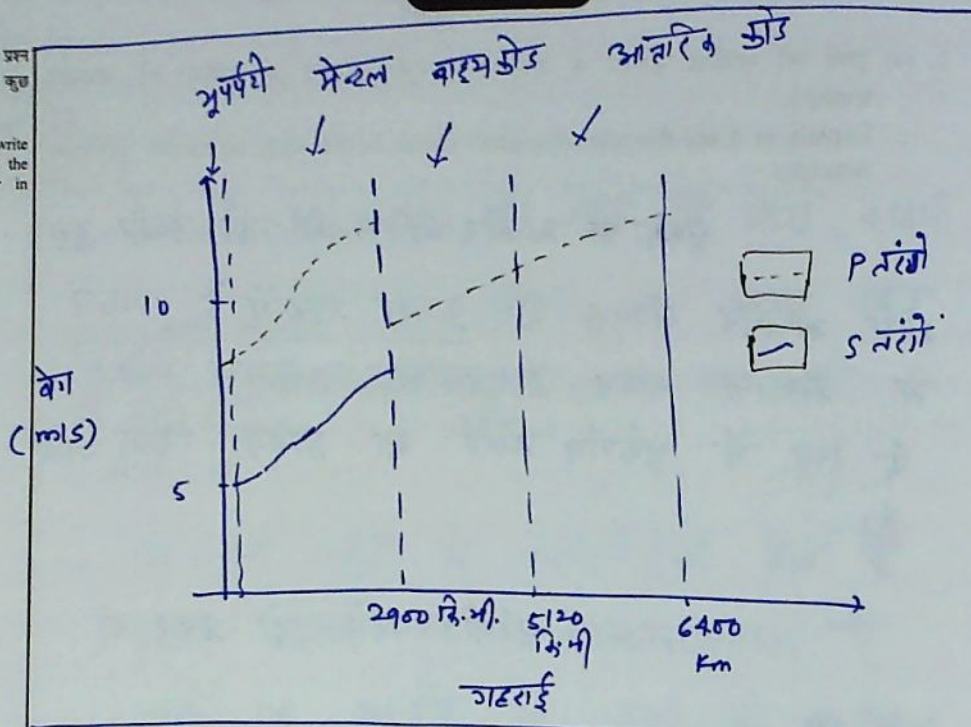

भूकंपीय तरंगों के द्वारा पृथ्वी की आन्तरिक संरचना को निम्नलिखित चित्र के माध्यम से समझा जा सकता है-

→ ऊपर से नीचे (गहराई) जाने पर P और S तरंगों दोनों की गति में वृद्धि होती है अर्थात् पृथ्वी की सतह से केन्द्र की ओर जाने पर घनत्व में वृद्धि होती है

→ इन तरंगों का अनेक जगह परावर्तन और

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अपवर्तन होता है क्योंकि अनेक सीमाओं पर घनत्व में अचानक से अन्तर पाया जाता है जो सिद्ध करता है कि पृथ्वी की आन्तरिक संरचना अनेक संकेन्द्रीय परतों में विभाजित है

→ 2900 कि.मी. के पश्चात S तरंगें विलुप्त हो जाती है अर्थात बाह्य क्रोड द्रव अवस्था में है।

→ केन्द्र में इन तरंगों की सर्वाधिक गति होती है अर्थात आन्तरिक कोर ठोस अवस्था में है।

इस प्रकार भूकंपीय तरंगों के माध्यम से पृथ्वी की आन्तरिक संरचना को समझकर इसके अंतर्गत होने वाली विभिन्न क्रियाओं की व्याख्या की जा सकती है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) जेट स्ट्रीम के प्रमुख अभिलक्षणों को स्पष्ट करते हुए इसके वर्गीकरण व महत्व पर प्रकाश डालिये। 20

Clarifying some salient features of 'Jet Stream', highlight its classification and significance. 20

क्षोभसीमा के निकट अत्यन्त तीव्र गति से ~~विसर्पित~~ विसर्पित करती हुई अर्द्धक्षैतिज अक्ष पर गति करने वाली पवनों को जेट धारा कहा जाता है। इनकी खोज 'B.गर्डनोज' द्वारा की गई थी

जेट धारा के अभिलक्षण

(i) यह सामान्यतः 10-12 कि.मी. की ऊंचाई पर क्षोभसीमा के निकट गति करती है
(ii) इसका मार्ग विसर्पण रूपी होता है जो कि पृथ्वी के अभिकेन्द्रीय त्वरण व कोणीय संवेग का परिणाम है
(iii) ये समदाब रेखाओं के समानान्तर अर्द्धक्षैतिज अक्ष के सहारे गति करती हैं
(iv) केन्द्र में इनकी गति सर्वाधिक जबकि परिधि पर कम होती है
(v) वायु कर्तन इनकी विशेषता है
→ भूविक्षेपी पवनें होती हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ ये 300-400 km चौड़ी तथा 3200 km. लंबी हो सकती है
→ गति सामान्यत: पश्चिम से पूर्व

जेट धारा का वर्गीकरण

(i) उपध्रुवीय जेट धारा- इसका निर्माण ध्रुवीय पवनों तथा पछुआ पवनों के अभिसरण से होता है तथा इनका संबन्ध एक जीवन-चक्र (Index cycle) से होता है

(ii) उपोष्ण कटिबंधीय जेट धारा- सर्वाधिक स्थायी इस जेट धारा का निर्माण हेडली कोशिका व फेरेल कोशिका के क्षोभसीमा के निकट अभिसरण द्वारा होता है। इसमें कोरियोलिस बल का प्रभाव होता है

(iii) उष्ण कटिबंधीय पूर्वी जेट धारा. P. कोटेश्वरम द्वारा खोजी गई इस जेट धारा का संबन्ध तिब्बत के पठार के तापन से है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

चित्र - जेट धारा

जेट धारा का महत्व -

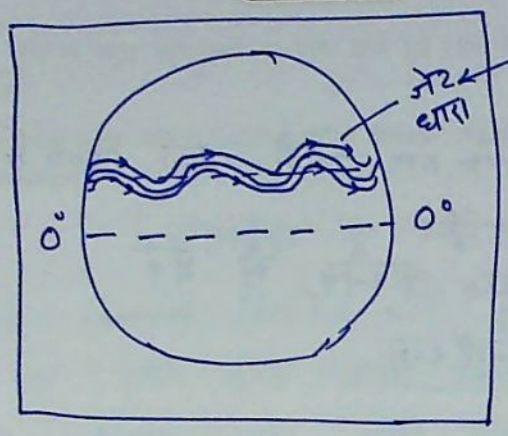

(i) ये वैश्विक मौसम तंत्र को काफी गहराई से प्रभावित करती है। उपोष्ण कटिबंधीय चक्रवातों को अपने साथ लाकर भारत के उत्तरी-पश्चिमी भाग में वर्षा करती है

(ii) वायु परिवहन में सहायक होती है यदि इनकी दिशा में गति हो

(iii) उष्ण कटिबंधीय पूर्वी जेट स्ट्रीम भारतीय मानसून को मजबूत करने में सहायक है

(iv) उ. प. यूरोप में वर्षा में सहायक

(v) इनके शृंगों के नीचे निम्न वायुदाब (चक्रवात) तथा गर्तों के नीचे उच्च वायुदाब होता है

इस प्रकार जेट धारा वैश्विक मौसम को गहराई से प्रभावित करती है तथा कृषि, जनसंख्या वितरण, भूस्खलनों के वितरण को समझने में सहायक है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) भूमंडलीय उष्मन से आप क्या समझते हैं? इसके तुषारमंडल पर पड़ने वाले प्रभावों की चर्चा कीजिये। 15

What do you understand by global warming? Discuss its impacts upon cryosphere. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पृथ्वी के औसत तापमान में २°C से अधिक की वृद्धि को विद्वानों द्वारा भूउष्मन की संज्ञा दी जाती है क्योंकि १°C के परिवर्तन को पृथ्वी द्वारा समायोजित (Adjust) कर लिया जाता है।

भूमण्डलीय भूउष्मन को ग्रीन हाउस प्रभाव से जोड़ा जाता है। इसके अनुसार पृथ्वी का वातावरण एक ग्रीन हाउस की तरह व्यवहार करता है जो सूर्य की लघु तरंगों के लिये पारदर्शी जबकि पार्थिव दीर्घ तरंगों के लिए अवरोध का कार्य करता है

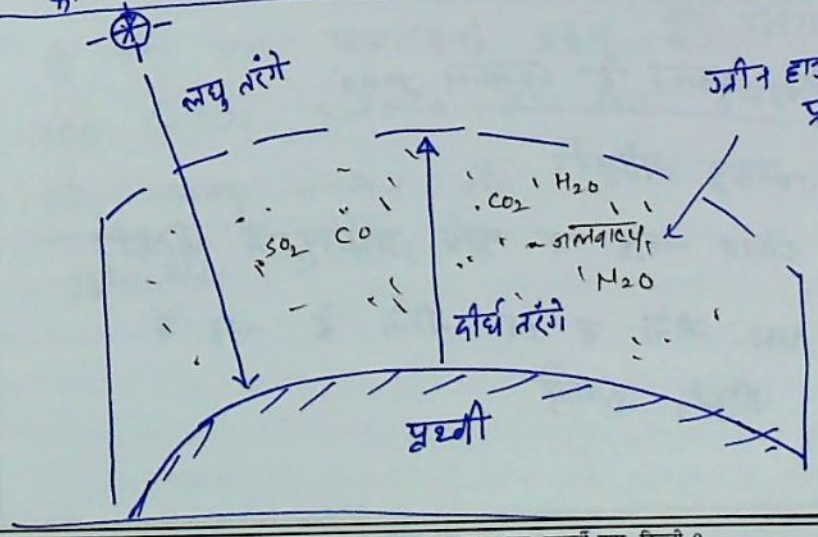

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

यह प्रभाव वातावरण में ग्रीन हाउस गैसों जैसे जलवाष्प, CO_2, N_2O, CO, NO_2, SO_2 इत्यादि के एक भाग से ज्यादा प्रवेश के कारण होता है। ये गैसें पार्थिव विकिरण का अवशोषण कर पृथ्वी के ताप में वृद्धि करने का कार्य करती हैं।

भूमण्डलीय उष्मन के कारण.

→ औद्योगीकरण के कारण जीवाश्म ईंधनों का दहन
→ शहरीकरण के कारण अत्यधिक वाहनों के कारण धुंआ का निकलना
→ पराली व अन्य अपशिष्टों को जलाना इत्यादि

भूमण्डलीय उष्मन के सामान्य प्रभाव

→ जलवायु परिवर्तन
→ मौसम चक्र व कृषि प्रतिरूप में परिवर्तन
→ अल-नीनो व ला-नीनो के चक्र में परिवर्तन इत्यादि

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(तुषारमण्डल)
क्रायोस्फीयर पृथ्वी के उस भाग को कहा जाता है जो हमेशा बर्फ से ढका रहता है।

तुषारमण्डल पर भूमण्डलीय उष्मन का प्रभाव.

→ तापमान में वृद्धि के कारण बर्फ के पिघलाव में वृद्धि जबकि जमाव में कमी के फलस्वरूप इसके विस्तार में कमी आयेगी
→ इसके कारण इन क्षेत्रों में वर्षा के प्रतिरूप में परिवर्तन आएगा
→ बर्फ के पिघलने से समुद्र तल में वृद्धि के कारण अनेक तटीय भाग डूब जायेंगे

भूमण्डलीय प्रभाव मानव व पर्यावरण के लिए एक विनाशकारी प्रक्रम है जिसका शीघ्र नियंत्रण आवश्यक है क्या इसके लिए पेरिस जलवायु समझौते जैसे उपायों का शीघ्र क्रियान्वयन आवश्यक है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. (a) कोपेन द्वारा प्रस्तुत वैश्विक जलवायु वर्गीकरण का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। 15

Critically examine the global climate classification, presented by Kopen. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

ब्लादिमिर कोपेन ने सन् 1918 में वैश्विक जलवायु का एक वर्गीकरण प्रस्तुत किया जो आनुभाविक वर्गीकरण का एक बेजोड़ उदाहरण है।

कोपेन ग्रेण्डाल के वनस्पति वर्गीकरण से काफी प्रभावित था तथा मानता था कि वनस्पति सम्बन्धित क्षेत्र की जलवायु की सर्वोत्तम प्रतिनिधि होती है।

वर्गीकरण के आधार.

(i) वनस्पति

(ii) तापमान. मासिक औसत तापमान. वार्षिक औसत तापमान इत्यादि का प्रयोग

(iii) वर्षण. औसत वार्षिक वर्षा, मासिक औसत वर्षा, वाष्पीकरण इत्यादि का प्रयोग

वनस्पति एवं तापमान के आधार पर कोपेन द्वारा जलवायु के 5 वर्ग माने गये

वर्ग A. उष्णकटिबंधीय जलवायु जिसमें तापमान 18°C से ज्यादा, वनस्पति. मेगाथर्म

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

वर्ग B. शुष्क जलवायु, इसे कोपेन ने वर्षा व वाष्पीकरण के द्वारा वर्गीकृत किया। वनस्पति - जेरोफाइट्स

वर्ग C. गर्म शीतोष्ण जलवायु, वनस्पति - मीसोथर्म

वर्ग D. शीत शीतोष्ण जलवायु वनस्पति - माइक्रोथर्म

वर्ग E. ध्रुवीय जलवायु, तापमान हमेशा 0° से नीचे, वनस्पति - हेकिस्टोथर्म

इन वर्गों को कोपेन ने वर्षण के आधार पर अनेक उपवर्गों में बांटा

वर्ग A —
- Af - उष्ण कटिबंधीय वर्षा वन, वर्ष भर वर्षा तथा तापान्तर न्यून
- Am - मानसूनी जलवायु, पर्णपाती वनस्पति पायी जाती है
- Aw - सवाना जलवायु. मरुस्थलों से महाद्वीपों के मध्य भागों में, वनस्पति - घास व वृक्ष

वर्ग B —
- BWh - उष्ण कटिबंधीय मरुस्थल
- BWK - मध्य अक्षांशीय मरुस्थल
- BSh - स्टेपी जलवायु
- BSk - मध्य अक्षांशीय अर्द्धशुष्क जलवायु

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वर्ग C
- Cf - ब्रिटिश तुल्य जलवायु
- Cs - भूमध्य सागरीय जलवायु
- Cw - चीन तुल्य जलवायु

वर्ग D
- Da - लॉरेशिया तुल्य जलवायु
- Db - साइबेरिया तुल्य जलवायु
- Dc - टैगा जलवायु

वर्ग E
- Et - टुण्ड्रा
- Ef - ट्रिमटोपी जलवायु

H- उच्च भूमि जलवायु

जलवायु वर्गीकरण के सकारात्मक पक्ष-

→ व्यवहारिक व सरल वर्गीकरण
→ मानचित्र पर दर्शाना आसान
→ अक्षांशों के अनुसार सीमा निर्धारित

नकारात्मक पक्ष-

→ जलवायु का सूक्ष्म विश्लेषण नहीं किया
→ आनुभविक वर्गीकरण में व्यक्तिनिष्ठता (Subjectivity) ज्यादा
→ तापमान व वर्षा के औसत मानों के प्रयोग से विविधता का ज्ञान नहीं
→ जलवायु के जनक कारकों की उपेक्षा

अपर्याप्त कमियों के बावजूद कोपेन का वर्गीकरण एक मानक व अग्रगामी वर्गीकरण माना जाता है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) ब्लू इकोनॉमी से आप क्या समझते हैं? यह किस प्रकार समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के धारणीय विकास को प्रोत्साहित करती है? तार्किक विश्लेषण करें। 20

What do you mean by 'Blue Economy? How do it promote the sustainable development of marine ecosystem? Logically analyse. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

ब्लू इकोनॉमी एक व्यापक एवं बहुआयामी अवधारणा है जिसमें समुद्र की पारिस्थितिकी, अर्थव्यवस्था, परिवहन, सुरक्षा इत्यादि पहलुओं पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है।

भूस्थल पर प्राकृतिक संसाधनों के समाप्त होने की ओर अग्रसर होने की प्रकृति के कारण वैश्विक समुदाय का ध्यान समुद्र के संसाधनों के दोहन की ओर गया है तथा समुद्री संसाधनों के संधारणीय दोहन के लिए विचार- विमर्श आरंभ हो गया है।

ब्लू इकोनोमी के घटक -

पारिस्थितिकीय घटक -

→ इसमें समुद्र के संसाधनों के इस प्रकार दोहन पर बल दिया जाता है ताकि जैविक व अजैविक घटकों के मध्य संतुलन बना रहे।

→ इसमें समुद्री प्रदूषण पर नियंत्रण, कोरल संरक्षण इत्यादि को ध्यान में रखा जाता है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

<u>अर्थव्यवस्था</u>- समुद्र अनेक जैविक व अजैविक संसाधनों का अथाह भण्डार होता है। इसमें
→ मत्स्य संसाधन व अन्य जैविक संसाधन
→ अनेक धात्विक एवं अधात्विक खनिज जैसे तांबा, मैंगनीज, सोना, यूरेनियम, जिंक, मैग्नीशियम इत्यादि
→ पेट्रोलियम, गैस इत्यादि

<u>परिवहन</u>- विश्व का अधिकांश विदेशी व्यापार समुद्र के माध्यम से होता है अतः ब्लु इकोनॉमी में समुद्री मार्गों के वैश्विक नियमों के अनुसार संचालन, मार्गों की सुरक्षा, इसके समुद्री जीवन पर नकारात्मक प्रभाव को रोकने इत्यादि का कार्य किया जाता है

<u>पर्यटन</u>- इसमें संधारणीय पर्यटन पर बल देते हुए आर्थिक लाभ व पर्यावरणीय लाभ प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है

उपर्युक्त कारकों को देखते हुए भारत समेत विश्व के अनेक देशों द्वारा विभिन्न

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वैश्विक मंचों एवं सम्मेलनों में ब्लु इकोनॉमी के महत्वों व उपयोगिता को स्वीकार कर इस पर कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई है

ब्लु इकोनॉमी व समुद्री पारिस्थितिकी का धारणीय विकास

→ ब्लु इकोनॉमी में संसाधनों (जैविक एवं अजैविक) के विवेकपूर्ण दोहन पर बल दिया जाता है जैसे मत्स्यन को समुद्र की पुनर्नवीकरण क्षमता के अन्तर्गत ही दिया जाता है

→ कोरल ब्लीचिंग पर ध्यान दिया जाता है

→ इको. पर्यटन पर ध्यान देने के कारण पर्यावरण की सुरक्षा होती है

→ संसाधनों के दोहन हेतु इको. फ्रेंडली तकनीकों का विकास

ब्लु इकोनॉमी को वैश्विक विकास का भविष्य माना जा सकता है क्योंकि स्थलीय भागों पर संसाधनों के समाप्त होने के पश्चात इसकी प्रासंगिकता में अत्यन्त वृद्धि होगी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत से आप क्या समझते हैं? यह किस प्रकार महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत की प्रगतिशीलता को दर्शाता है? स्पष्ट कीजिये। 15

What do you understand by plate tectonic theory? How do it depict the advancement of continental displacement theory? Clarify. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत का प्रतिपादन मैकेन्जी, मॉर्गन इत्यादि विद्वानों द्वारा 1960 के दशक में किया गया। इन्होंने माना कि पृथ्वी का स्थलमण्डल अनेक बड़ी व छोटी प्लेटों का बना है जिसमें गति व संचलन होता है।

इन्होंने विश्व को 6 बड़ी व 20 छोटी प्लेटों में बाँटा तथा इनकी गति को तीन प्रकार का बताया-

(1) अभिसारी संचलन - प्लेटों की एक दूसरे की ओर गति

(2) अपसारी संचलन - प्लेटों की एक-दूसरे से विपरीत गति

(3) रूपांतरण संचलन - समानान्तर गति

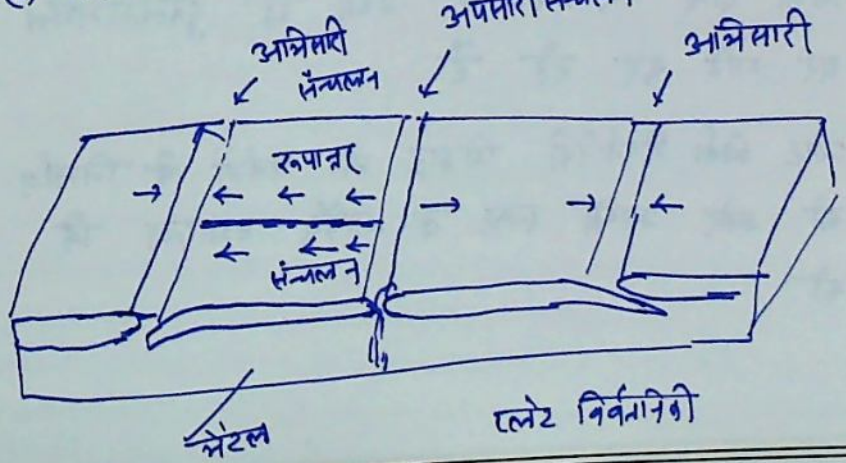

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इन विद्वानों में प्लेट विवर्तनिकी के माध्यम से भूमण्डल पर अनेक भूआकृतियों के निर्माण की व्याख्या की।

उन्होंने विश्व के वलित पर्वतों (हिमालय, एण्डीज), मध्य महासागरीय कटकों, द्वीपों, ज्वालामुखियों इत्यादि के निर्माण की व्याख्या की

महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धान्त से प्रगतिशीलता.

→ महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धान्त का मानना था कि सियाल • सिमा पर तैर रहा है जबकि प्लेट विवर्तनिकी में माना गया कि स्थलमण्डल में सियाल व सिमा दोनों सम्मिलित हैं तथा ये दुर्बलतामण्डल पर गति कर रहे हैं

→ प्लेट ~~विवर्त~~ विवर्तनिकी सिद्धान्त ने पर्वतों के निर्माण की ओर अधिक स्पष्ट व तार्किक व्याख्या दी की

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ प्लेट विवर्तनिकी सिद्धान्त ने महाद्वीप व महासागरों दोनों की गति को मान्यता दी जबकि महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धान्त में सिर्फ महाद्वीपों के संचलन को दिखाया गया था

→ प्लेट विवर्तनिकी सिद्धान्त ने द्वीपीय चापों, गर्तों इत्यादि के निर्माण की अपेक्षाकृत सही व्याख्या की

महाद्वीपीय सिद्धान्त में अनेक सुधार करते हुए प्लेट विवर्तनिकी सिद्धान्त का प्रतिपादन किया जो वर्तमान में सर्वाधिक स्वीकार्य सिद्धान्त है जो पृथ्वी पर जल व स्थल के वितरण की व्याख्या करता है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खंड - ख / SECTION - B

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5. निम्नलिखित प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: $10 \times 5 = 50$
Answer the following in about 150 words each:
(a) शीतोष्ण कोणधारी वन बायोम के प्रमुख अभिलक्षणों पर प्रकाश डालिये।
Highlight typical features of temperate coniferous forest biome.

यह बायोम मुख्यत: 45°- 65° अक्षांशों के मध्य पाया जाता है

बायोम की विशेषताएँ

→ यहाँ कोणधारी या शंकवाकार वृक्षों की प्रधानता पायी जाती है जो कि बर्फबारी के दौरान इनकी सुरक्षा करते हैं

→ इन पेड़ों की पत्तियां नुकीली व पतली होती है ताकि वाष्पोत्सर्जन को कम किया जा सके

→ इनकी लकड़ी मुलायम प्रकृति की होती है जो कागज व लुगदी उद्योग हेतु उपयोगी होती है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

→ यहाँ रेड पाण्डा, स्नो लेपर्ड, याक, रेण्डियर जैसे जीव-जन्तु पाए जाते हैं

→ ऐसे वनों का विस्तार कनाडा के उत्तरी भागों, साइबेरिया, उत्तरी यूरोप, हिमालय पर्वत के ऊँचाई (3500m के आसपास) वाले भागों में होता है

→ यहाँ पर सूर्यातप के कम आने पर व आर्द्रता की कमी के कारण वर्षा की मात्रा कम व हिमपात होता है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) सिम्पसन के 'आइस हाउस प्रभाव' पर संक्षिप्त टिप्पणी करें।
Briefly comment upon 'Ice house effect' as explained by Simpson.

यह प्रभाव ध्रुवीय भागों की शीतल जलवायु में 'इग्लू' जैसे घरों में पाया जाता है जो एस्किमो नामक जनजाति द्वारा बनाये जाते हैं

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) केंद्रीय व्यापारिक क्षेत्र (CBD) को परिभाषित करते हुए इसकी संरचना पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये।

Defining Central Business District, give a brief account of its structure.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बर्गेस के संकेन्द्रीय मेखला सिद्धान्त के अनुसार CBD नगर का केन्द्रीय भाग होता है जहाँ व्यापारिक-वाणिज्यिक, परिवहन इत्यादि क्रियाओं का अत्यधिक संकेन्द्रण पाया जाता है

विशेषताएँ

→ भूमि का अत्यन्त उच्च मूल्य
→ ऊंची-ऊंची इमारतों का होना
→ परिवहन मार्गों का मिलन
→ व्यवसायिक कार्यों की अत्यन्त संकेन्द्रण

संरचना

→ यह नगर के केन्द्रीय भाग में होता है तथा इसकी आकृति गोलाकार होती है
→ यहाँ पर आस-पास के परिवहन मार्गों का एक बिन्दु पर मिलन होता है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

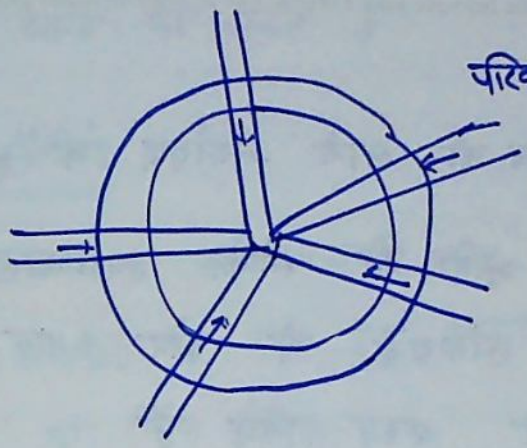

चित्र: CBD

→ बहुमंजिला इमारतों की बहुतायात

→ संरचना के भाग

(i) केन्द्रीय भाग - सघन भाग, अत्यधिक गतिविधियां

(ii) मध्य भाग - संक्रमणीय भाग

(iii) बाहरी भाग - ~~~~ विरल भाग, गतिविधियां कम

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) समुद्री जैविक संसाधन किस प्रकार वैश्विक खाद्य सुरक्षा में महती भूमिका निभा सकते है? स्पष्ट कीजिये।

How can Marine biotic resource play a crucial role in order to attain global food security? Explain.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

विश्व की बढ़ती जनसंख्या व स्थलीय भागों में कृषि भूमि की सीमित उपलब्धता ने समुद्री जैविक संसाधनों की ओर ध्यान केन्द्रित करने को बाध्य किया है

→ ये संसाधन समुद्र में प्रचुर मात्रा में पाये जाते है तथा इनको उगाना नहीं पड़ता

→ ये प्रोटीन की मात्रा से भरपूर स्रोत होते है जो खाद्य सुरक्षा हेतु आवश्यक है

→ ये समुद्री शैवाल जैसे जीवीय संसाधन भी भोजन का महत्वपूर्ण भाग है

→ उपर्युक्त तकनीकों के विकास के कारण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

ये सकते पड़ सकते हैं

→ चुनौतियाँ

→ जनसंख्या का शाकाहारी होना

→ संसाधनों के दोहन हेतु आधुनिक तकनीक का निम्न विकास

→ संसाधनों के अविवेकपूर्ण दोहन से संकट जैसे अति मत्स्यन

→ शीत भण्डारों व परिवहन श्रृंखला का निम्न स्तर

अतः उपर्युक्त नीतियों व तकनीक के विकास द्वारा इन संसाधनों को खाद्य सुरक्षा में उपयोगी बनाया जा सकता है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) अनुकूलतम जनसंख्या की स्थिति उपलब्ध संसाधनों के इष्टतम उपयोग को दर्शाती है। स्पष्ट कीजिये।

The situation of 'optimum population' indicates the optimum use of available resources. Clarify it.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

संसाधनों व जनसंख्या में संतुलन की अवस्था को अनुकूलतम जनसंख्या की स्थिति कहते हैं

→ सेडिनिघर द्वारा इस संकल्पना का सर्वप्रथम विकास

→ मान्थस का जनसंख्या सिद्धान्त

इसमें जनसंख्या को संसाधनों की उपलब्ध मात्रा के अनुपात में रखा जाता है

→ इसमें अत्यधिक जनसंख्या के कारण संसाधनों का अविवेकपूर्ण दोहन नहीं होता और न ही न्यून जनसंख्या के कारण संसाधनों का कमतर उपयोग की स्थिति

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

उत्पन्न होती है

→ इसमें समाज में जीवन की गुणवत्ता, कल्याण का उच्च स्तर पाया जाता है

→ [illegible] प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं नहीं होती

→ इसमें सभी मनुष्यों को संसाधनों का उचित हिस्सा प्राप्त होता है

→ जनसंख्या की वृद्धि सीमित होती है अतः संसाधनों का अत्यधिक दोहन नहीं करना पड़ता है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. (a) नगरीय अवस्थापना हेतु उत्तरदायी कारकों की चर्चा करते हुए समुद्रतटीय नगरों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। 15

Discussing the responsible factors for urban infrastructure highlight the salient features of coastal towns. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

सामान्यतः गैर-कृषि व औद्योगिक क्रियाओं में संलग्न मानव अधिवासों को नगरों की संज्ञा दी जाती है। इनकी अवस्थापना के पीछे अनेक भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक व राजनैतिक कारक उत्तरदायी होते हैं।

भौगोलिक कारक-

→ सामान्यतः नगरों की स्थापना समतल स्थानों पर ज्यादा होती है
→ उपजाऊ मृदा
→ खनिज पदार्थों की उपलब्धता → औद्योगीकरण
→ आयात-निर्यात के लिए तटीय अवस्थिति
→ प्रचुर जल व ऊर्जा की उपलब्धता

आर्थिक कारक-
→ पूँजी व बैंकिंग व्यवस्था
→ औद्योगिक व व्यापारिक क्रियाओं का संचलन
→ बाजार की अवस्थिति

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सांस्कृतिक कारक-

→ भाषा, धर्म इत्यादि के अनुसार नगरों का उद्भव व विकास जैसे वाराणसी का विकास हिन्दु धर्म के धार्मिक स्थल के रूप में हुआ है।

सामाजिक कारक-

→ यहाँ व्यक्ति अनामिकता के साथ अपना जीवन व्यतीत कर सकता है

→ जाति-व्यवस्था के प्रभावों का शहरों में कम होना

→ प्रवास

राजनैतिक कारक-

→ राजधानियों के लिए शहरों को बनाना जैसे -चण्डीगढ़, नयारायपुर इत्यादि

→ छावनी नगरों का निर्माण

→ शरणार्थियों के लिए नगरों का निर्माण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

समुद्रतटीय नगरों की विशेषता.

→ इनका विकास समुद्र तट के किनारे सामान्यतः रेखीय स्वरूप में होता है जो तट के समानान्तर अपनी वृद्धि करता है

→ अनेक बन्दरगाहों के विकास के कारण वैश्विक आयात-निर्यात गतिविधियों का संचालन होता है जैसे मुंबई, न्यूयॉर्क इत्यादि

→ जहाँ पर मत्स्यन कार्य न संबन्धित गतिविधियों का व्यापक स्तर पर संचालन होता है

→ अनेक समुद्रतटीय नगरों का विकास समुद्र की सुरक्षा हेतु नौसेना के लिए भी किया जाता है

समुद्रतटीय नगर किसी देश को अन्य देशों के साथ जुड़ाव का अवसर प्रदान करते है तथा व्यापार-वाणिज्य के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) सीमा तथा सीमांत को परिभाषित करते हुए सीमाओं से संबंधित भू-आकारिक वर्गीकरण को विस्तारपूर्वक समझाइये। 20

Defining 'front' and 'frontiers', explain in detail the geomorphic classification related to fronts. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सीमा किसी देश की संप्रभुता के क्षेत्र की बाहरी रेखा होती है। जबकि सीमान्त किन्हीं दो देशों के बीच एक क्षेत्रीय विस्तार होता है

सीमा	सीमान्त
→ एक रेखा	→ क्षेत्रीय विस्तार
→ राजनैतिक आधार पर निर्धारण	→ भौगोलिक आधार पर निर्धारित
→ दो क्षेत्रों को अलग करने का कार्य	→ दो क्षेत्रों / देशों को जोड़ने का कार्य
→ केन्द्राभिमुख	→ केन्द्राभिमुख

सीमाओं का भूआकारिक वर्गीकरण - भौगोलिक विशेषताओं जैसे पर्वत, नदी, झील इत्यादि के आधार पर सीमाओं का वर्गीकरण

(i) पर्वतीय सीमा - जब दो देशों के मध्य पर्वतीय

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

श्रेणी के आधार पर सीमा बनाई जाती है। सामान्यतः पर्वत श्रेणी के सबसे ऊंचे शिखरों के आधार पर सीमा बनाई जाती है।

उदाहरण. भारत - चीन सीमा (हिमालय पर्वत)
फ्रांस व स्पेन सीमा (पिरेनीज पर्वत)

→ नकारात्मक पक्ष. पर्वतों के अपरदन के कारण सीमा विवाद

(ii) नदियों की सीमा.

- दो देशों के बीच बहने वाली नदी के थालवेग के आधार पर सीमा
- नदी के रेखीय होने के कारण सुविधा जनक
- नदी के मार्ग परिवर्तन के कारण सीमा विवाद
- उदाहरण.- मैक्सिको व संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच रियोग्रान्डे नदी
  - भारत व नेपाल के बीच शारदा नदी

(iii) झील सीमा. झील के मध्य सीमा के

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आधार पर सीमा का निर्धारण किया जाता है

उदाहरण. कनाडा व अमेरिका के मध्य महान झीलों की सीमा

युगाण्डा, केन्या व तंजानिया के बीच विक्टोरिया झील की सीमा

इसी के साथ राजनीतिक, नृजातीय, भाषायी इत्यादि आधार पर भी सीमाओं का निर्धारण किया जाता है। परन्तु अनेक कारणों से अनेक देशों के बीच समय-समय पर सीमा विवाद चलते रहते है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) "रेडिकल (उग्रसुधारवाद) विचारधारा के पोषक मात्रात्मक क्रांति व प्रत्यक्षवाद के विरोधी प्रतीत होते हैं।" तार्किक विश्लेषण कीजिये। 15

Advocates of radical ideology seem to be opponent of quantitative revolution and positivism, analyse logically. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हाल्ट व जेनसन के अनुसार उग्रसुधारवाद वर्तमान में उपस्थित समाज में क्रान्तिकारी परिवर्तन की मांग करता है।

पीटर महोदय के अनुसार केन्द्रीय बुर्जुआ लोगों को हटाकर सर्वहारी वर्ग की सत्ता को स्थापित किया जाना चाहिए।

1960 के दशक में भागात्मक क्रान्ति व प्रत्यक्षवाद की निम्नलिखित कमियों के फलस्वरूप उग्रसुधारवाद का जन्म हुआ.

→ भागात्मक क्रान्ति में पूंजीवाद को प्रोत्साहन दिया गया →योंकि गणितीय मॉडलों के माध्यम से संसाधनों की खोज व उत्पादन प्रक्रिया को तरल बनाया गया। इससे समाज में गरीबों की दशा व श्रमिकों की दशा और बदतर हो गई

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ प्रत्यक्षवाद ने तथा भौगोलिक क्रान्ति ने संसाधनों के क्रूर दोहन को प्रोत्साहन दिया जिसके फलस्वरूप पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्याओं का जन्म हुआ

→ भौगोलिक क्रान्ति के दौर में अनेक सामाजिक बुराइयों जैसे गुलामी, नस्लीय भेदभाव, जाति प्रथा, महिलाओं के प्रति भेदभाव के समाधान का कोई प्रयास नहीं हुआ

इस प्रकार भौगोलिक क्रान्तियों व प्रत्यक्षवाद के सामाजिक समस्याओं के समाधान में विफल रहने के कारण उग्रसुधारवाद का जन्म माना जाता है।

उग्रसुधारवादी अपने विचारों को क्लार्क विश्वविद्यालय में स्थापित 'एन्टीपोड' नामक

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पत्रिका में प्रकाशित करते थे।

उग्रसुधारवादियों की विशेषताएँ

→ पूँजीवाद व शोषण का विरोध करना तथा श्रमिकों व गरीबों के कल्याण की ओर ध्यान देना
→ नस्लीय भेदभाव व हिंसा का विरोध
→ युद्धों का विरोध

परन्तु उग्रसुधारवादी केवल सिद्धांतों में ही अतिवादी रहे जबकि व्यवहारिक स्तर पर ये समाज में कोई ज्यादा परिवर्तन न ला सके अतः ये मार्क्सवाद क्रान्ति व प्रत्यक्षवाद का सशक्त विकल्प प्रस्तुत करने में असफल प्रतीत होते हैं।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

भूगोल (वैकल्पिक विषय)

(मॉडल टेस्ट-I)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: Three Hours

अधिकतम अंक : 250
Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी एवं अंग्रेज़ी** भाषा में मुद्रित हैं।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 **अनिवार्य** हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों** के **उत्तर** दीजिये।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशत: दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Copyright – Drishti The Vision Foundation